

19/6/25 पत्रांक पेठे हकी। अर्थ. मनी, उप. 1 वे स्तो. पेशेकार
 उप. 1 पत्रांक का आद्योपपत्त कालोपगत विधा ज्ञान।
 अपीक से संगठित ^{संगठित} अंग काल से, 51/23 व 50/23
 से दिनांक 17/6/25 को राजीनामा ज. 42) ~~संगठित~~
 हर प्रकृषा का विस्तारण किया जा चुका है। सत.
 काल बलरिन, साररिन छेपे से व्यापक की
 प्राप्ति है। पत्रांक विरही अंगुले बनेक बाद 10/1/25
 द. 42/25 वापिस कर लें।

152/25

मि. 19/6/25
 अति. स. जगद्वारा
 कोटा